



नेक बनने का नुस्खा

पन्द्रहवीं सदी की अज़ीम इल्मी व रूहानी शख़िस्सियत
शैख़े तरीक़त, अमीरे अहले सुन्नत, बानिये दा'वते इस्लामी

हज़रते अल्लामा मौलाना अबू बिलाल

मुहम्मद इल्यास अत्तार क़ादिरी र-जवी دَامَتْ بَرَكَاتُهُمُ الْعَالِيَةِ

ने इस पुर फ़ितन दौर में ह-रमैने तय्यिबैन में नेकियां करने
और गुनाहों से बचने के तरीकों पर मुश्तमिल जामेअ मज्मूअ

बराए उम्रह व सफ़रे मदीना

19 म-दनी इन्आमात

19 Madani Inamat-Umrah (Hindi)

ब सूरते सुवालात अता फ़रमाए हैं। इन के मुताबिक़ आसानी
से अमल करने का तरीक़ा कार आख़िर में दिया गया है।
मज़ीद मा'लूमात के लिये मजलिसे म-दनी इन्आमात के इस
आई डी पर ई मेइल फ़रमाएं support@madaniinamat.net

मर्कज़ी मजलिसे शूरा (दा'वते इस्लामी)

اَلْحَمْدُ لِلّٰهِ رَبِّ الْعٰلَمِيْنَ وَالصَّلٰوةُ وَالسَّلَامُ عَلٰى سَيِّدِ الْمُرْسَلِيْنَ
اَمَّا بَعْدُ! فَاَعُوْذُ بِاللّٰهِ مِنَ الشَّيْطٰنِ الرَّجِيْمِ بِسْمِ اللّٰهِ الرَّحْمٰنِ الرَّحِيْمِ ط

किताब पढ़ने की दुआ

अज : शैखे तरीक़त, अमीरे अहले सुन्नत, बानिये दा'वते
इस्लामी, हज़रत अल्लामा मौलाना अबू बिलाल मुहम्मद इल्यास
अत्तार कादिरी र-जवी دَامَتْ بَرَكَاتُهُمُ الْعَالِيَهُ

दीनी किताब या इस्लामी सबक पढ़ने से पहले जैल में दी हुई
दुआ पढ़ लीजिये اِنْ شَاءَ اللّٰهُ عَزَّوَجَلَّ जो कुछ पढ़ेंगे याद रहेगा ।
दुआ येह है :

اَللّٰهُمَّ افْتَحْ عَلَيْنَا حِكْمَتَكَ وَاَنْشُرْ
عَلَيْنَا رَحْمَتَكَ يَا ذَا الْجَلَالِ وَالْاِكْرَامِ

तरजमा : ऐ अल्लाह ! हम पर इल्मो हिक्मत के दरवाजे
खोल दे और हम पर अपनी रहमत नाज़िल फ़रमा ! ऐ अ-ज़मत
और बुजुर्गी वाले ।

(مُسْتَطَرَف ج ١ ص ٤٠ دارالفكر بيروت)

नोट : अव्वल आखिर एक एक बार दुरूद शरीफ़ पढ़ लीजिये ।

तालिबे ग़मे मदीना व
बकीअ व मग़िफ़रत



13 शव्वालुल मुकर्रम 1428 हि.

19 म-दनी इन्आमात (बराए उम्रह व सफ़रे मदीना)

येह रिसाला (19 म-दनी इन्आमात (बराए उम्रह व सफ़रे मदीना))

शैख़े त़रीक़त, अमीरे अहले सुन्नत, बानिये दा'वते इस्लामी हज़रत अल्लामा मौलाना अबू बिलाल मुहम्मद इल्यास अत्तार क़ादिरी र-ज़वी دَامَتْ بَرَكَاتُهُمُ الْعَالِيَهُ ने उर्दू ज़बान में तहरीर फ़रमाया है।

मजलिसे तराजिम (दा'वते इस्लामी) ने इस रिसाले को हिन्दी रस्मुल ख़त में तरतीब दे कर पेश किया है और मक-त-बतुल मदीना से शाएअ करवाया है। इस में अगर किसी जगह कमी बेशी पाएं तो मजलिसे तराजिम को (ब ज़रीअए मक्तूब, ई-मेइल या SMS) मुत्तलअ फ़रमा कर सवाब कमाइये।

राबिता : मजलिसे तराजिम (दा'वते इस्लामी)

मक-त-बतुल मदीना, सिलेक्टेड हाउस, अलिफ़ की मस्जिद

के सामने, तीन दरवाज़ा, अहमदआबाद-1, गुजरात

MO. 9374031409

E-mail : translationmaktabhind@dawateislami.net

اَلْحَمْدُ لِلّٰهِ رَبِّ الْعٰلَمِيْنَ وَالصَّلٰوةُ وَالسَّلَامُ عَلٰى سَيِّدِ الْمُرْسَلِيْنَ ط اَمَّا بَعْدُ فَاَعُوْذُ بِاللّٰهِ مِنَ الشَّيْطٰنِ الرَّجِيْمِ ط بِسْمِ اللّٰهِ الرَّحْمٰنِ الرَّحِيْمِ ط

19 म-दनी इन्आमात

(बराए उम्रह व सफ़रे मदीना)

म-दनी तहरीक बराए इबादाते ह-रमैन

❖❖❖ क्या आज आप ने कुछ न कुछ जाइज़ कामों से पहले अच्छी अच्छी निय्यतें कीं ?

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	मीज़ान
16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	

❖❖❖ क्या आज आप ने मक्कए मुकर्रमा व मदीनए मुनव्वरह رَاَدَهُمَا اللّٰهُ شَرَفًا وَ تَعْظِيْمًا की हाज़िरी के दौरान दिन का अक्सर हिस्सा बा वुजू रहने के साथ साथ आबे ज़मज़म नोश फ़रमाया ? (रोज़ा होने की सूरत में रात में)

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	मीज़ान
16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	

❖❖❖ क्या आज आप का फ़राइज़, वाजिबात और सु-नने मुअक्कदात पर अमल के साथ साथ अक्सर “म-दनी इन्आमात” के मुताबिक़ अमल रहा ?

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	मीज़ान
16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	

❖❖❖ क्या आज आप ने ज़बान का कुफ़ले मदीना लगाते हुए कम अज़ कम 12 मर्तबा

लिख कर और कम अज़ कम 12 मर्तबा इशारे से गुफ़्त-गू की ?

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	मीज़ान
16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	

❖5❖ क्या आज आप बिला ज़रूरत मोबाइल फ़ोन के इस्ति'माल से बचे ?

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	मीज़ान
16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	

❖6❖ क्या आज आप ने फ़िक्रे मदीना कर के म-दनी इन्आमात का रिसाला पुर किया ?

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	मीज़ान
16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	

❖7❖ क्या आज आप ने दौराने गुफ़्त-गू हत्तल इम्कान निगाहें नीची रखीं ?
(ज़हे नसीब ! निगाहों की हिफ़ाज़त की आदत बनाने की खातिर कम अज़ कम 12 मिनट कुफ़ले मदीना का ऐनक इस्ति'माल फ़रमाया हो)

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	मीज़ान
16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	

❖8❖ क्या आज आप ने सफ़रे मदीना में इन कुतुब (रफ़ीकुल मो'तमिरीन, कुफ़्रिय्या कलिमात के बारे में सुवाल जवाब, नमाज़ के अहक़ाम, ग़ीबत की तबाह कारियां) में से कम अज़ कम 12 मिनट मुता-लआ करने की सआदत हासिल की ?

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	मीज़ान
16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	

❖9❖ क्या आज आप ने कम अज़ कम एक घन्टा 12 मिनट म-दनी चेनल या म-दनी मुज़ा-करा सुनने या देखने की सआदत हासिल की ?

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	मीज़ान
16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	

❖10❖ क्या आज आप ने इन्फ़िरादी कोशिश कर के कम अज़ कम तीन ज़ाइरीन के नाम और फ़ोन नम्बर्ज़ हासिल किये ? (जहे नसीब ! बा'द में भी उन से राबिते की तरकीब रहे)

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	मीज़ान
16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	

❖11❖ क्या आज आप ने कम अज़ कम 1200 बार दुरूद शरीफ़ पढ़ लिये ?

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	मीज़ान
16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	

❖12❖ क्या आज आप ने पेट का कुफ़ले मदीना लगाते हुए ख़्वाहिश से कम खाने की कोशिश की ?

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	मीज़ान
16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	

❖13❖ क्या आज आप आइसक्रीम और कोल्ड ड्रिंक से बचने में काम्याब हुए ?

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	मीज़ान
16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	

❖14❖ क्या आज आप ने कम अज़ कम 12 मिनट कुफ़ले मदीना का कार्ड सीने पर सजाया ?

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	मीज़ान
16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	

❖15❖ क्या आज आप ने मक्कए मुकर्रमा رَاَدَهَا اللهُ شَرْفًاو تَعْظِيمًا में हाज़िरी के दौरान तवाफ़ या उम्रह करने की सआदत हासिल की ?

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	मीज़ान
16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	

❖16❖ क्या आज आप ने रोज़ा रखने की सआदत हासिल की ?
(ईदुल फ़ित्र और 10, 11, 12, 13 ज़ुल हिज्जतिल हराम को रोज़ा रखना मक्रूहे तहरीमी है)

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	मीज़ान
16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	

मुकम्मल सफ़र के म-दनी इन्आमात

❖17❖ मक्का शरीफ़ और मदीने शरीफ़ में कम अज़ कम एक एक कुरआने करीम ख़त्म करने की सआदत मिली ?

मक्का
शरीफ़

मदीना
शरीफ़

❖18❖ क्या आप का मक्का शरीफ़ और मदीना शरीफ़ में काफ़िलाते हरम का जद्वल रहा ?

मक्कतुल मुकर्रमा

कितने दिन ?

मदीनतुल मुनव्वरह

कितने दिन ?

❖19❖ क्या आप ने सहाबए किराम رَضِيَ اللَّهُ تَعَالَى عَنْهُمْ व बुजुर्गाने दीन رَحِمَهُمُ اللَّهُ الْمُئِينَ के अय्याम मनाने की तरकीब की ? (जिन बुजुर्गाने दीन رَحِمَهُمُ اللَّهُ الْمُئِينَ के अय्याम आप के सफ़र में आते हैं)

म-दनी फूल ❖ करने वाले कामों (म-सलन उम्रह व तवाफ़, तिलावत व ना'त ज़िक्रो दुरूद, दीनी मुता-लआ, फ़िक्रे मदीना, बयान व म-दनी मुजा-करा वगैरा सुनने) में खुद को मसरूफ़ रखेंगे तो न करने वाले कामों (म-सलन फुज़ूल गोई, हंसी मज़ाक़, ग़ीबत, चुग़ली, झूट, बद निगाही, मोबाइल फ़ोन का ग़ैर ज़रूरी इस्ति'माल, मस्जिदैने करीमैन में दुन्या की बातों वगैरा) से اِنْ شَاءَ اللَّهُ عَزَّوَجَلَّ बचत का सामान होगा और यूँ اِنْ شَاءَ اللَّهُ عَزَّوَجَلَّ सफ़रे मदीना में इबादत में खुशूओ खुजूअ, जौको शौक, रिक्कते क़ल्बी, अशकबारी और आहो ज़ारी की सआदत भी नसीब होगी ।

❖दुआए अत्तार❖

या रब्बल मुस्तफ़ा ! जो कोई उम्रह शरीफ़ के सफ़र में इन म-दनी इन्आमात के मुताबिक़ अपने अवकात गुज़ारे उसे मरते वक़्त जल्वए महबूब दिखा ।

اٰمِيْن بِجَاہِ النَّبِيِّ الْاَمِيْن صَلَّی اللّٰهُ تَعَالٰی عَلَیْهِ وَاٰلِہٖ وَسَلَّم

कारकदर्गी बराए म-दनी तहरीक बराए इबादाते ह-रमैन (बराए उम्ह)

- ❖1❖ इस मुबारक सफ़र के अक्सर दिनों में कम अज़ कम **12** मर्तबा लिख कर गुफ़्त-गू फ़रमाई ?
- ❖2❖ इस मुबारक सफ़र के अक्सर दिनों में कम अज़ कम **12** मर्तबा इशारे से गुफ़्त-गू फ़रमाई ?
- ❖3❖ इस मुबारक सफ़र के अक्सर दिनों में कम अज़ कम **12** मर्तबा दौराने गुफ़्त-गू निगाहें नीची रखीं ?
- ❖4❖ इस मुबारक सफ़र के अक्सर दिनों में कम अज़ कम **12** मिनट कुफ़ले मदीना का ऐनक इस्ति'माल फ़रमाया ?
- ❖5❖ इस मुबारक सफ़र में आप ने अमीरे अहले सुन्नत دَامَتْ بَرَكَاتُهُمُ الْعَالِيَهُ की इन कुतुब (रफ़ीकुल मो'तमिरीन, नमाज़ के अहक़ाम) का अब्बल ता आख़िर मुता-लआ फ़रमाया ?
- ❖6❖ इस मुबारक सफ़र में **19** म-दनी इन्आमात में से कितने पर अमल की कोशिश रही ?
- ❖7❖ इस मुबारक सफ़र में कितने दिन इस रिसाले को पुर करने की सआदत हासिल की ?
- ❖8❖ इस मुबारक सफ़र में कितने दिन काफ़िलाते हरम में सफ़र की सआदत हासिल की ?

ह-रमैने तय्यिबैन में इबादत का आसान तरीका

रिसाले में मौजूद हर म-दनी इन्आम के नीचे 30 दिनों के लिये 30 खाने दिये गए हैं। रोज़ाना वक़्ते मुक़र्रर पर फ़िक्रे मदीना (या'नी अपना मुहा-सबा करते हुए खाने पुर करने) की तरकीब कीजिये जिस म-दनी इन्आम पर अमल की सआदत हासिल हो उस के नीचे खाने में (◀) का निशान वरना (○) बना दीजिये। **إِنْ شَاءَ اللَّهُ عَزَّ وَجَلَّ** रोज़ाना रिसाला पुर करने की ब-र-कत से इबादाते ह-रमैने तय्यिबैन में लज़्ज़त व हलावत नसीब होगी।

फ़रमाने अमीरे अहले सुन्नत : ह-रमैने तय्यिबैन में भी अपने अवकात हत्तल इम्कान म-दनी इन्आमात के मुताबिक गुज़ारिये। (म-दनी मु-ज़ा-करा 2 जुल हिज्जा 1435 सि.हि. म-दनी फूल नं. 6)

म-दनी माह..... 14 सि.हि.

नाम मअ़ वल्दियत.....उम्र तक़ीबन.....

मुकम्मल पता.....

मुल्क का नाम..... मोबाइल नम्बर

वॉट्स एप नम्बर ईमेल.....

कारवान का नाम..... आप ने फ़िक्रे मदीना (या'नी मुहा-सबे के दौरान खाना पुरी करने) के लिये कौन सा **वक़्त** मुक़र्रर फ़रमाया है ?.....

फैज़ाने मदीना, त्री कोनिया बगीचे के सामने, मिरज़ापूर, अहमदआबाद-1, गुजरात, इन्डिया

Mo.091 93271 68200

E-mail : maktabaahmedabad@gmail.com www.dawateislami.net

